IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 5, Issue 1, June 2019
Impact Factor: 4.819

fouk;d nkeknj lkojdj dk jktuhfrd thouo`r

Dr. Javed Akhtar

Government PG College, Chharra, Aligarh, UP
javed8466@gmail.com

lkjk'k% *विनायक दामोदर सावरकर राजनीतिक विकास की दृष्टि से अत्यन्त महत्वपूर्ण है। उन्हें हिन्दू–हिन्दुत्व चिन्तन अपने पारिवारिक धार्मिक परिवेश से विरासत में मिला तथा चाफेकर बन्धुओं के बलिदान ने उन्हें क्रान्तिपथ का पथिक बनने की प्रेरणा प्रदान की थी। फर्ग्युसन काले, पूना के छात्र विनायक दामोदर सावरकर के व्यक्तित्व का विकास 1604 ई० मे अभिनव भारत की स्थापना के साथ क्रान्तिकारी राष्ट्रवाद के पथ अन्वेषक के रूप में होता है। 1606 से 1610 तक इंग्लैण्ड में उन्होने न केवल क्रान्ति चिन्तन किया बल्कि पाश्चात्य शिक्षाा संस्कृति में दीक्षित अनेक भारतीय युवको को गुप्त क्रान्तिकारी संगठन अभिनवभारत का सदस्य बनाया तथा उनका भारतीयकरण एवं संस्कृतिकरण भी किया। सावरकर प्रथम भारतीय थे, जिन्होने श्याम जी कृष्ण वर्मा, मैडम कामा, एस० एस० राणा, बी० वी० एस० अटायर, लाला हरदयाल, वीरेन्द्रनाथ चट्टोपाध्याय, रामचन्द्र वर्मा आदि के सहयोग से भारतीय स्वतन्त्रता के प्रश्न को अन्तर राष्ट्रीय राजनीति से सम्बद्ध करने का प्रथम प्रयास किया। उनके क्रान्ति–चिन्तन के सूत्र– ''विदेशी वस्तुओं का नही, विदेशियों का बहिष्कार किया जाना चाहिए'' ने इंग्लैण्ड एवं भारत में क्रान्तिकारी गतिविधियों को उत्तेजना प्रदान की।*

e[;'kCn% विनायक दामोदर सावरकर का राजनीतिक जीवनवृत

Copyright to IJARSCT
www.ijarsct.co.in